

Scheme to the city of Bombay only, during the Third Five Year Plan period.

(c) The scheme is likely to be introduced in Bombay by the end of the current financial year.

Shri Bhakt Darshan: May I know why it is only for Bombay City and not for other cities?

Dr. D. S. Raju: It is a question of finance. It is estimated that for Madras and Calcutta it will cost about Rs. 4 crores, whereas during the Third Plan only Rs. 80 lakhs has been allotted for this scheme.

WRITTEN ANSWERS TO QUESTIONS

चीनी का उत्पादन

६१४. { श्री म० ला० द्विवेदी:
श्री स० च० सामन्त :

क्या खाद्य तथा कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) दूसरे देशों के उत्पादक हमारे देश की अपेक्षा कम लागत पर चीनी का उत्पादन किस प्रकार कर लेते हैं और भारत में कम लागत पर चीनी उत्पादन क्यों सम्भव नहीं है ताकि इसका निर्यात कर के लाभ अर्जित किया जा सके ;

(ख) क्या सरकार इस बात के लिये कोई कदम उठा रही है कि चीनी के निर्यात से लाभ होने लगे और यदि हां, तो इस सम्बन्ध में क्या कार्यवाही की गई है ;

(ग) इस समय देश में आवश्यकता से अधिक कितनी चीनी का उत्पादन हो रहा है और इस अतिरिक्त चीनी की खपत के लिए क्या कार्यवाही की गई है ; और

(घ) तीसरी पंचवर्षीय योजना में चीनी के उत्पादन लक्ष्यों में क्या हेरफेर किये गये हैं और ऐसा करने के क्या कारण हैं ?

खाद्य मन्त्रालय में उपमन्त्री (श्री प्र० म० धामस) : (क) विभिन्न देशों में चीनी

उत्पादन की लागत की तुलनात्मक सामग्री उपलब्ध नहीं है क्योंकि यह प्रकाशित नहीं की जाती तथापि, दूसरे देशों में बढ़िया किस्म के गन्ने की उपज प्रति एकड़ अधिक होने के कारण लागत कम हो सकती है। तब भी, निर्यात करने वाले देशों को सदैव निर्यात को किसी न किसी रूप में साहाय्य करना पड़ता है।

(ख) गन्ना उत्पादन में वृद्धि करने के लिए विकासपूर्ण कदम उठाए जा रहे हैं।

(ग) सन् १९६०-६१ में चीनी का उत्पादन २६.८१ लाख टन और खपत २०.६३ लाख टन थी। सितम्बर, १९६१ में चीनी पर से नियन्त्रण उठा देने पर अपक्रय बढ़ता जा रहा है और माशा की जाती है कि सन् १९६१-६२ में २४ लाख टन हो जाएगा।

(घ) कोई भी नहीं।

Major Ports

*923. { श्री S. Swamy:
श्री Jashvant Mehta:

Will the Minister of Transport and Communications be pleased to state:

(a) how many new major ports have been included for development in the Third Five Year Plan in the country;

(b) the actual progress of work and amount spent so far;

(c) what are the reasons for long delay in developing them fully;

(d) whether any railway lines have been planned to connect those major ports; and

(e) if so, which lines have been taken up or are to be taken up during the Third Five Year Plan period?

The Minister of Shipping in the Ministry of Transport and Communications (Shri Raj Bahadur): (a) to (e). A statement is laid on the Table of the House. [See Appendix II, annexure No. 91].